GOD'S GRACE अन्तर्ध्वनि The Inner Voice

आत्मा की आवाज़
The Voice of Soul

VOL. 57, 2017 FREE OF COST – FULL OF CARE

Mind Blowing Matter for Mind Glowing

- Body death के समय **धन** का **मन** और **तन** पर क्या असर होता है?
- क्या स्वर्ग का टिकट body की death के समय arrange किया जाएगा?
- ईश्वर से मुहब्बत या ईश्वर से ही लड़ाई? Worshipping or 'at war' with God?
- धर्म को नष्ट करने वाले कर्म। 'Divinity', destroying deeds?

These are not words to read only.
These are the ENERGY WAVES to prepare for a HIGHER PURPOSE life and Peaceful PHYSICAL DEATH.

चिता पर लेटने से पहले चित्त साफ करने के लिए – Purifying the 'Soul fire', before lying on pyre

Mission Happiness **Turn to God before you return To God** *Mission Consciousness*

e-mail : contact@missionhappiness.in www.facebook.com/antardhwani visit us at www.missionhappiness.in

The "Voice of Soul" for freedom from FEARS, FOULS, FACADE & FAILURES

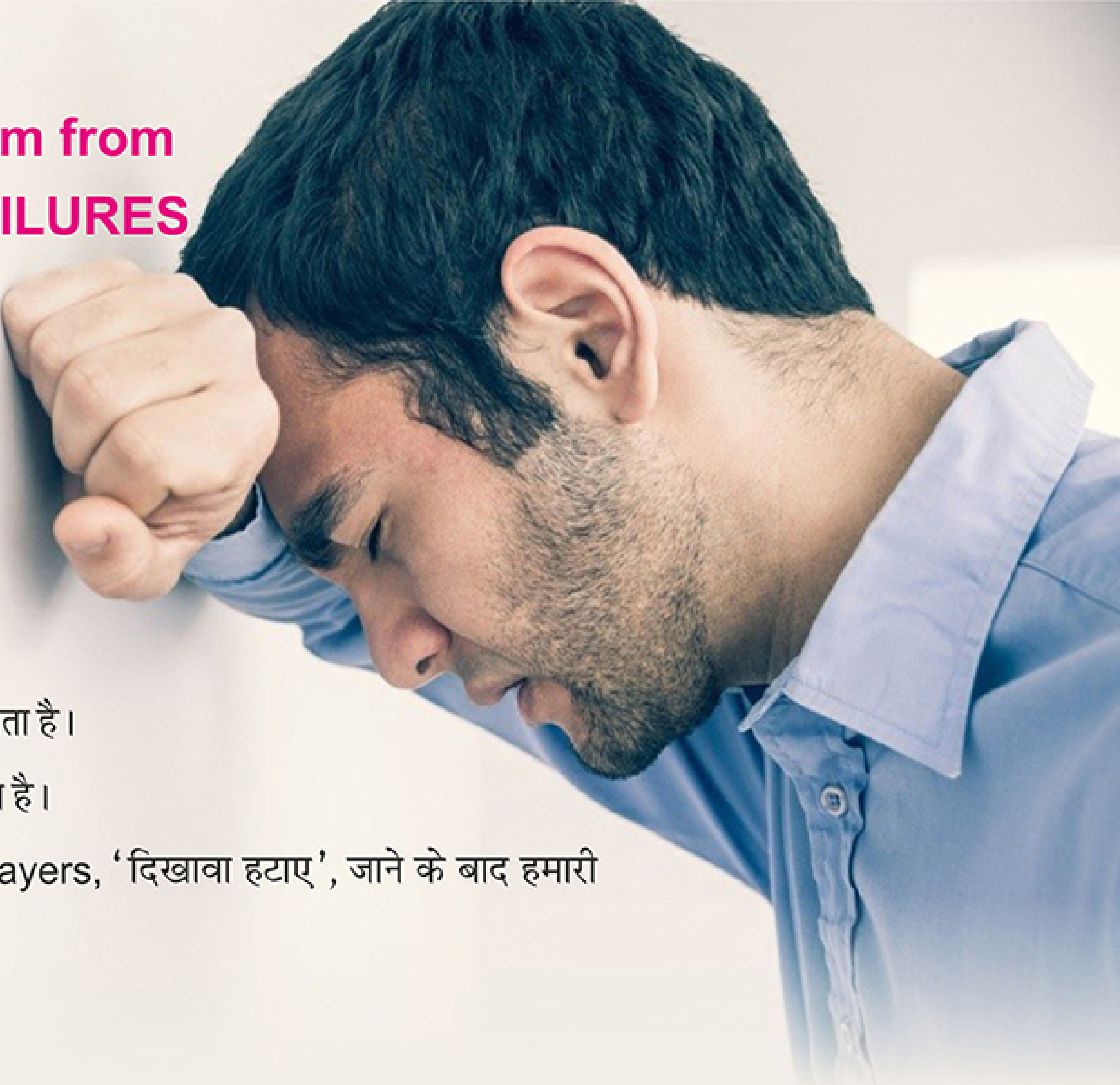

आत्मा की आवाज़

क्या, क्यों, कैसे?

आत्मा की आवाज़ क्या है?

मानव का true self or real self, सबसे गहरे तल पर होता है।

यहाँ तक पहुँचने के लिए मन और बुद्धि के पार जाना पड़ता है।

Beyond mind + intellect हमारे जीवन की अनेक layers, 'दिखावा हटाए', जाने के बाद हमारी आत्मा की आवाज़ सुनाई देती है।

आत्मा की आवाज़ क्यों सुनें?

हमारी ज़िन्दगी में जो घटनाएँ होती हैं, they are created to enable us to learn and grow.

उन घटनाओं से परेशानी न हो, इसके लिए कुछ ईश्वरीय नियम होते हैं, इन ईश्वरीय या चेतना के नियमों को समझकर लागू करने से, रिश्ते निभाना और जीवन में सुखी हो जाना सरल हो जाता है।

'बाहर' ज्यादा ध्यान देने से आत्मा की आवाज़ सुनाई नहीं देती।

ज़्यादातर लोग अपनी आत्मा की आवाज़ न सुनने के कारण ही, दुख और दिखावे की ज़िन्दगी जी रहे हैं।

At the time of body death, this weak mind creates enormous problems.

दुनिया की नज़र में ऊँचा बनना, reality में अपने मन का कमज़ोर होना है।

दूसरे कह दें, आप अच्छे तो बहुत खुश हो जाना, criticise कर दें तो परेशान हो जाना, आत्मा से दूर होना है।

अपने अन्दर कम जाना और दूसरों पर ज्यादा focus करने से जब अपनी real power पता नहीं चलती तब उसका इस्तेमाल कैसे कर सकते हैं?

Therefore 'अच्छे होने का दिखावा करना', 'अच्छे होने' का alternative नहीं है ।

आत्मा की आवाज़ कैसे सुनें?

Physical Body की death को दिन में at least 2 times visualize करें।

9 am & 9 pm पर just 3 minutes के लिए आँखें बन्द करके गहरी साँस लें।

अपने लिए, अपने साथ - 6 minutes only - sixth sense - sixth day से जागृत होने लगेगा।

Life Energy (God) के स्वभाव और नियमों को study करके उन पर चलें 100% सच्चे व सीधे होकर, सफल और सुखी होंगे ही।

ईश्वर हमें मन में, 'शान्ति स्वरूप', महसूस होने लगे – THIS IS THE GOLDEN GOAL OF LIFE.

''अपना ख्याल रखने का इससे ज्यादा सरल और सफल तरीका क्या हो सकता है?''

कर्म-किस्मत और कैंसर

Metaphysical reasons of Physical Cancer

Law of Action -

कर्म के सिद्धांत की खोज भारतवर्ष में ही हज़ारों वर्ष पहले हुई थी। गीता, कुरान, गुरूग्रन्थ साहिब आदि सभी धर्मग्रन्थ, science based spirituality अर्थात ईश्वर व उसके नियमों के विषय में इतना clearly explain करते हैं, किन्तु ज्यादातर लोग इन की reading करने को ही पुण्य समझकर, अंधेरे में अपनी वर्तमान और भविष्य की किस्मत गलत ढंग से लिखने में लगे हैं।

What ever we do, we get the same as our destiny.

कैंसर एक ऐसी बीमारी है जो साक्षात नर्क का अनुभव करा देती है। अभी तक medical knowledge इसका कारण नहीं तलाश पाई है। **America की Johns Hopkins Kimmel Cancer Centre at Baltimore ने 69 countries में (representing 4.8 billion people) लम्बी research के बाद 24 मार्च 2017 को science journal में publish किया है कि 68% of cancer, cell division के दौरान D.N.A. में गलती से होता है।**

Times of India के 25.03.17 के front page पर यह news publish हुई है - **Cancer is matter of BAD LUCK.**

Study में कहा गया है कि वातावरण, खानपान व life style केवल secondary reasons होते हैं, cancer के।

32% cancer cases के concrete reasons वर्तमान में किये गए कर्म - deeds - lifestyle हैं।

Where as 68% cases are due to the consequences of our "consciousness" in the past.

पहले के किए कर्मो का फल वर्तमान में प्रकट होता है और वर्तमान में किए कर्मो के फल भविष्य में प्रकट होते हैं। इसीलिए हमारा सजग होना ज़रूरी है।

REMEDY - समाधान

God is very kind, we should take advantage of God's Grace by seeking mercy. We can neutralize our past bad deeds & escape the wrath of ENERGY LAWS.

परमात्मा से लगातार माफी माँगें।

अन्य गरीबों-बीमारों की धन-तन-मन से सेवा करके हम अपने जीवन में आने वाली बीमारियों से मुक्ति पा सकते हैं और मन को पवित्र करके सुख पा कर इस संसार से जा सकते हैं। **This is called ENERGY BALANCING.**

सोच और व्यवहार में simplicity लाकर, mind में अपने बारे में ज्यादा सोचें। मन, वचन और कर्म में फर्क न रहे।

ALPHA, BETA & THETA, SELF HEALING of Cancer is being practiced successfully in many parts of the world.

THE TIMES OF INDIA

Cancer is matter of bad luck: Study

Subodh.Varma@timesgroup.com

Why does cancer strike some people and not others? New research shows that random changes or 'mistakes' in DNA when cells are dividing cause nearly two-thirds cancers in humans. These changes are neither caused by external factors like smoking or exposure to harmful chemicals, nor by hereditary factors. They are chance events occurring at the molecular level. In other words, cancer can strike anybody.

This upends prevailing wisdom that cancer is mostly a lifestyle related disease caused by external or environmental factors like smoking, harmful chemicals and conditions like obesity. While all these are valid and important risk increasing factors, random chance may be the real driver, if one goes by this new research.

The study involved a statistical analysis of cancer data from 69 countries including India, representing 4.8 billion people, more than half of the world's population. It was done by scientists from Johns Hopkins Kimmel Cancer Center at Baltimore, US, and published in the peer reviewed journal Science on 24 March.

MISTAKES IN DNA

- New research shows that random changes or 'mistakes' in DNA when cells are dividing cause nearly two-thirds cancers in humans
- These changes are neither caused by external factors like smoking, nor by hereditary factors

Continued on P 8

क्या स्वर्ग का टिकट देहान्त के समय खरीदेंगें?

आजकल पढ़े लिखे तो सभी हैं, लेकिन गुढ़े कितने हैं?

Are we only literate or educated also?

बड़ा महीन (subtle), किन्तु बड़ा मायने वाला फर्क है, पढ़ने और गुढ़ने में। ''आत्मा की आवाज़'' पढ़ने के लिए नहीं, गुढ़ने के लिए है।

Knowledge of world is known as literacy – (विद्या)

Knowledge of self is called, Education – (ज्ञान)

कोई भी प्राणी जब प्राण त्याग देता है, तो उसे dead body कहने लगते हैं, और यह भी कि इनका स्वर्गवास हो गया है । In English it is called-

He or she has left for heavenly abode.

थोड़ा ध्यान दें, कि क्या स्वर्ग/जन्नत इतनी easily available colony है, कि सभी वहाँ पहुँच रहे हैं? शिष्टाचारवश कह देना और असलियत का होना, दोनों में बहुत बड़ा difference है। देवता, फरिश्ते ही तो स्वर्ग जाते हैं, **जहाँ शान्ति होती है, प्रकाश होता है।**

Holistic life means, मन, बुद्धि, व्यवहार में समानता से पृथ्वी पर जीने वाले physical body छोड़ने के बाद स्वत: ही स्वर्गलोक – means ऊँचे, प्रकाशमान लोकों की यात्रा के पात्र बन जाते हैं।

पृथ्वी पर देवता, means दूसरों को सुख-शान्ति देने वाले, बनकर जिएँगें, तभी तो qualify करेंगें, कि परलोक- 'स्वर्ग' हो।

Are we living EARTH bound or HEAVEN bound ?

In this physical world, are we peaceful?

Are we giving peace and happiness to others?

यहाँ पर open competition हो रहा है- छीना-झपटी का, धन बटोरने का, धर्म (ईमान-Honesty) को छोड़, अधर्म (Dishonesty) को अपना लेने का। Stress and strain में जी रहे हैं और अचानक physical body छोड़ते समय (आम आदमी इसे मृत्यु कहते हैं) हम देवता बन जाते हैं और सीधा स्वर्ग चले जाते हैं।

क्या यह अपने साथ मज़ाक नहीं है?

मन को सुमन बनाना बहुत ही essential है। सुमन मोह नहीं प्रेम करता है। अपनी ज़िम्मेदारी समझता है और तकरार से बचा रहता है। रिश्तों में कड़वाहट नहीं लाता, इसलिए अच्छे मन वाले को ही अच्छा इन्सान कहा जाता है। कुमन से कुमति (बुरी बुद्धि) हो जाती है और कुकर्म फिर रुक नहीं सकते। Therefore **सुकर्म करने पर पृथ्वी पर अहंकार रहित होकर दुआओं की असीमित energy लेने वाले ही ऊँचे लोकों की यात्रा के पात्र बन पाते हैं।**

अपने बुढ़ापे और आगे के भविष्य की अनदेखी न करें। यह जन्म केवल एक episode है, life के serial का। आगे की तैयारी में यह मौका मील का पत्थर साबित हो सकता है।

The "Inner Voice" is meant for opening the Third Eye, so that we become pure and peaceful on this earth, only then we can land in the realm of peace and light in the Astral world.

आत्मा की आवाज़ को कम से कम one page daily, 90 days तक हम पढ़ें, रोज़ सोचें, प्रभु से प्रार्थना करें, तभी स्वर्ग के टिकट की advance booking करवा सकते हैं।

स्वर्ग भी दो प्रकार का होता है।

भौतिक स्वर्ग -

घर, दफ्तर, व्यवसाय तथा सम्बन्धों आदि में शान्ति, स्नेह-सौहार्द और सफाई ही भौतिक स्वर्ग है, शुद्ध धन की सहायता से।

सूक्ष्म स्वर्ग -

The conscious energy - 'soul', after leaving the physical body, automatically proceeds to one of the seven realms of ASTRAL WORLD, which have different frequencies of vibrations depending upon the distance from EARTH PLANET.

जो प्राणी पृथ्वी पर दया, धर्म के मार्ग पर जीते हैं वे ही उच्च लोकों में अद्भुत प्रकाश और शान्ति का अनुभव करते हैं। उनकी आत्मा भय और भटकन वाले निम्न लोकों में नहीं पहुँचती।

अतः अकस्मात देहान्त की तैयारी करने वाले आस-पास के कुटिल और जटिल वातावरण में भी अपने को बचाकर स्वर्ग के ticket के लिए qualify कर लेते हैं।

सबसे interesting and important तो यह है कि उनको आगे के जीवन की film का trailer भी इसी लोक और इसी शरीर में देखने को मिल जाता है।

So,

Death is not the greatest loss of life.
The greatest loss is
what dies inside
while we are still alive.

How to enjoy life and prepare for death (of body only)
DIVINE LIFE SYMPOSIUMS
at schools, colleges, offices, jails, media centres. No Charges - Only Enthusiastic Participation. Contact : 9837032053, 9536824265

वह प्राणी सबसे ज्यादा सौभाग्यशाली होता है, जिसका विवेक, अक्ल-ए-सलीम, wisdom जाग जाता है।

धन कमाने की पूरी छूट है, लेकिन उसके साथ पाप या पुण्य की energy से बचने का कोई रास्ता है ही नहीं।

अमीरों को धोखा देकर धन कमाना पाप create कर देता है, किन्तु गरीबों को ठगकर, धन एकत्र करना, जीते जी अपनी मौत बुलाना और महापाप की devil energy को अपने पीछे लगा लेना, भयंकर बदनसीबी साबित हो जाती है।

Physical death के समय काली कमाई, कष्ट का कारण बन जाती है।

Hospital के खर्चे, relatives को परेशानी,
शरीर को तकलीफें, ICCU में मन कितना बेचैन होता है!

Each day becomes a burden.
Each night becomes a battle.

Banks में लाखों या करोड़ पड़े हो, घर में भी jewellery, cash भरा हुआ हो, दो-चार plot भी हों - free hold करवा के, लेकिन death bed पर, **इस जायदाद की ज्यादती का असर जबरदस्त होता है, यदि किसी के साथ जबरदस्ती की गई हो तो।**

The reason is very simple, when anyone cheats, any other person or group of persons, the black energy is generated as per the NORMS OF NATURE.

यही काली ऊर्जा, Karmic Account में multiply होकर deposit हो जाती है, as per the Laws of Energy.

यह सबकुछ स्वचालित है, कोई भी कितना होशियार, चालाक क्यों न हो, बच नहीं सकता।

यह energy और उसके laws, किसी को नहीं पहचानते, कोई भेद-भाव, तरस - कुछ नहीं।

इसलिए, अपना अन्त खराब न करना, सबसे बड़ी जिम्मेदारी और समझदारी है।

दुखी आत्मा जब physical body में से निकलती है तो शरीर को कष्ट बहुत ज्यादा होता है।

आम आदमी तो क्या expert doctors भी उस समय अपनी रक्षा नहीं कर सकते। साफ-सच्चा जिएँगें, तभी सहजता - शान्ति से जाएँगें।

GOOD LIVING and GOOD EARNING create congenial & comfortable conditions for the soul to depart. So, convert intelligence into wisdom by praying to God for a Sin free Life.

सोच-समझकर पवित्र धन कमाएँगे
तब दुख और दर्द कदाचित नहीं पाएँगे
व्यवहार अपना निष्कपट बनाएँगे
तभी तो शान्ति से परलोक-अपने घर जाएँगे!

At
Mission Happiness

Medicine business is "Business of Blessings" or ?

सच्चा सौदा या सस्ता सौदा ?

Question 1 : Body Death को ध्यान में न रखकर Business of Medicines से कोई नुकसान हो सकता है क्या ?

Divine Reality : नुकसान नहीं तबाही होनी ही है। Because it is the reality of physical death, that can prevent us from becoming greedy. समझदार इन्सान थोड़े समय के लाभ के लिए अपना और अपने परिवार का लम्बे समय का अहित नहीं कर सकता। At Mission Happiness, we are very alert about the Dangers of "Defiance of Divine Laws of Death and Life". Hardly 5-10-15 years के लिए, अपनी आत्मा को कमज़ोर कर लेना, जिसको सदा जीवित रहना है ।

This is not an ordinary mistake. It is a blunder.

Question 2 : Patients की blessings या curses कैसे effect करते हैं Company, Doctors & Chemists को ?

Divine Reality : This is a subtle science. इस सूक्ष्म विज्ञान के अनुसार बीमार प्राणी, अपने धन को किसी को भी hand over करता है, उसके साथ, उसकी भावनाओं की invisible waves, positive or negative, as 'Aura of the currency', साथ-साथ travel करती हैं। Patients को knowledge हो या न हो, उनके subconscious mind को पता चल जाता है कि उनके साथ, कितने % की deal और MRP की cheating हो गई है। So, जिस-जिस के पास और जहाँ-जहाँ वह currency जाती है, अपना hidden impact create करने लगती है । इससे कोई भी बच नहीं सकता, कोई माने या न माने।

Question 3 : How do the blessings and curses appear in life?

Divine Reality : Blessings – आशीर्वाद – दुआएँ, निम्न माध्यमों से प्रकट होने लगती हैं –

1. शान्ति, peacefulness feel होने लगती है।
2. रिश्तों में sweetness आ जाती है - in family as well as at work place.
3. Wasteful and sudden expenses नहीं होते।
4. धन सम्पत्ति तो बढ़ने लगती है, लेकिन लालच almost समाप्त होने लगता है ।

Curses – Black energy की निशानियाँ –

1. Business में इतने डूब जाते हैं, कि देह के अन्त और आत्मा की अगली यात्रा की चिन्ता और चिन्तन ही नहीं होता।
   खाने-पीने पर ज्यादा concentration होता है।
2. सत्य को जानने, सुनने का मन ही नहीं करता।
3. जल्दबाज़ी और चिड़चिड़ापन बढ़ने लगता है।
   मति - wisdom काम नहीं करता, although बुद्धि बहुत तेज़ होती है।
4. घर बाहर relations tense होने लगते हैं।

Doctors को dealings में
और Chemists को deals से
INTERNAL
अन्दर का नुकसान नहीं पहुँचाते हैं
Quality + Price difference के scales पर
pure & pious energy doctors & chemists
के spiritual account में deposit करके
उनके साथ divine business करते हैं।

MOTTO OF MISSION HAPPINESS

दुनिया से जाने से पहले

क्या अपने माता-पिता का कर्ज़ नहीं चुकाएँगें?

Unpaid Parental Debt
The Curse of Consciousness?

क्या हम भूल गए, जिस माँ ने नौ महीने गर्भ में पाला, फिर 3-4 years तक मल-मूत्र साफ करके रातों की नींद कुर्बान करके भी, अहसान तो नहीं जताया, but at least she expected that her son or daughter shall become a good and true human being.

पिता जी ने शायद loan लेकर मकान बनवाया, पढ़ाया, लेकिन कभी अहसान नहीं जताया, किन्तु क्या उनको यह समाचार आया, कि उनका पुत्र या पुत्री, पवित्र जीवन जीते हुए, दूसरों के लिए मिसाल बन रहें हैं?

These are the questions, which are the foundation of our सुख या दुख, because माता-पिता की दुआएँ या बद्दुआएँ, automatic process से निकलती हैं। दुख पाने पर भी शायद माता-पिता अपनी सन्तानों को curses देना नहीं चाहते, लेकिन curses, or blessings, consciousness की energy होने के कारण, अपने आप ही निकलकर, अपना effect दिखाना शुरू कर देते हैं।

Parents do not want money or big banglows. उनको सिर्फ यह तमन्ना होती है, कि उनकी सन्तान, दूसरों को दुख देकर, अपने लिए कष्टों का इन्तजाम न करे। बीमारियों, तकलीफों से बचे।

These days the diseases and disorders of human beings are multiplying at an enormous pace. नई-नई medicines या investigations इनका इलाज नहीं है। ईश्वर के नियमों से डरकर, सच्चा जीवन जीकर, अपने माता-पिता की आत्मा को शान्ति प्रदान करने का solitary solution है।

कैसे कर्ज़ चुकाएँ?

Daily उनके पास 5-10 minutes, 2-3 times बैठें।

उनके अतीत और अनुभव की बातें सुनें।

उनके लिए बेशक छोटा ही सही once in a month, gift ज़रूर लाएँ।

उनसे ऊँची आवाज़ में न बोलें।

उनसे सलाह माँगें।

कभी-कभी उन्हें बाहर घुमाने भी ले जाएँ।

All these small gestures will add to the health and happiness in their ears as well as years, which will bring in your life

100% CHEERS AND CHEERS.

Published by
MISSION HAPPINESS
Ph. : 9837032053, 9536824265
e-mail : contact@missionhappiness.in
website : www.missionhappiness.in